F59QXC

15

चींटी

चली जा रही हैं चींटियाँ कतार में...! किसी मरे हुए कीड़े को खींचने में जुटी हुई हैं चींटियाँ! है न मजेदार बात। जहाँ भी खाने की कोई चीज़ रखी हो वहाँ चींटियाँ धावा बोल देती हैं। ये दृश्य काफी देखने को मिलते हैं।

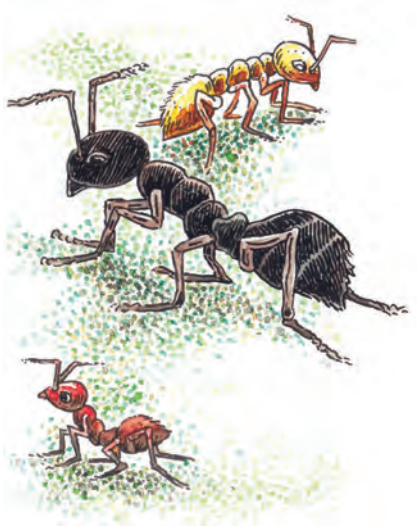

rqeu phfV;k dk dgk&dgk n[kk g

phfV;k fdu jxk e feyrh g

चलो, हम चींटियों को बारीकी से देखते हैं। कहीं से एक बड़ी मृत चींटी पकड़ लाओ। यदि काले रंग का चींटा मिल जाए तो इसको देखना आसान होगा।

चींटे को देखने के लिए हैंडलेंस का उपयोग करो। हैंडलेंस से किसी चीज़ को कैसे देखते हैं इसके बारे में अपने शिक्षक से पूछो।

phVh dk 'kjhj

चींटे को देखो और बताओ कि इसका शरीर कितने भागों में बँटा हुआ है? ऊपर चींटे का एक चित्र बना है। इस चित्र से चींटी की तुलना करो।

fp= e tk fn[kk;k x;k g] D;k og lc dN rqe phV e n[k ik jg gk

phVh dk flj

चींटी के सिर को हैंडलेंस से देखो। इसके सिर में आगे की ओर दो लम्बी मूंछों जैसी रचनाएँ निकली रहती हैं। इनकी मदद से इसे अपने आसपास के वातावरण का पता चलता है, जैसे– तापमान, गंध, आदि।

viu vkl&ikl ik, tku oky fdu&fdu tirvk e ,lh gh jpuk,; gkrh g\ fdUgh nk d uke fy[kkA

**D;k rue phVh dh vk[k n[k ik jg gk\ phVh dh fdruh vk[k g **

D;k bldh vk[kk ij iydk g

---

phVh dh Vkx

phVh dk n[kdj crkvk fd mldh fdruh Vkx g

D;k ,l dkb vkj Hkh tho g ftudh N% Vkx g

---

iV@¼mnj½

सीने के बाद के पूरे भाग को पेट कहते हैं। चींटी के पेट को हैंडलेंस से देखो। क्या इस भाग से भी कोई अंग निकले हैं?

phVh dh rjg Hkkxk e cV g, 'kjhj oky dku&l tho rqeu n[k g

,l dku l tho rqeu n[k g ftudk 'kjhj phVh d 'kjhj d rjg rhu Hkkxk e cVk gvk gA

---

phfV;k d i[k

क्या कभी तुमने चींटियों के पंख देखे हैं? कब आते हैं चींटियों के पंख? बड़ों से पता करो।

phfV;k dh ckr

अपने आस–पास कोई ऐसा स्थान ढूँढ़ो जहाँ चींटियाँ कतार में जा रही हों। चींटियों को ध्यान से देखो। इस कतार में चींटियाँ एक तरफ से ही जा रही हैं या दोनों तरफ से आ–जा रही हैं? कतार में चलती हुई चींटियाँ क्या कर रही हैं?

इन चींटियों को तुम ध्यान से देखोगे तो ये एक दूसरे से मुँह लगाती हैं और फिर आगे बढ़ जाती हैं। ऐसा लगता है कि ये आपस में बातें कर रही हों।

जिस कतार में चींटियाँ जा रही हैं उस रास्ते को किसी गीले कपड़े से पोंछ दो। इस बात का ध्यान रखना कि कोई चींटी मर न जाए।

vc crkvk fd tehu dk ikNu ij phfV;k d vku&tku e D;k Qd iMk\ viu voykdu fy[kkA

बहुत साल पहले वैज्ञानिकों ने इसी तरह के प्रयोग किए। वे इस नतीजे पर पहुँचे कि चींटियाँ चलते समय ऐसा पदार्थ छोड़ती है जिसे सूँघकर पीछे आने वाली चींटियों को रास्ता मिल जाता है।

क्या तुम कभी मच्छरों से परेशान हुए हो?

सोचो, उन्हें कैसे पता चलता होगा कि तुम कहाँ हो? मच्छर तुम्हारे शरीर की गंध खासकर पैरों के तलवे की और तुम्हारे शरीर की गर्मी से तुम्हें ढूँढ़ लेता है।

क्या तुमने कभी किसी कुत्ते को इधर–उधर कुछ सूंघते हुए देखा है?

एक कुत्ता दूसरे कुत्ते के मल–मूत्र की गंध से जान लेता है कि उसके इलाके में बाहर का कुत्ता आया था।

हम कुत्ते की सूँघने की शक्ति का इस्तेमाल कहाँ–कहाँ करते हैं? सूँघने की शक्ति हमारे पास भी है।

किन–किन मौकों पर तुम्हारी सूँघने की शक्ति तुम्हारे काम आती है?

उदाहरण के लिए – खाने की गंध से उसके खराब होने का पता चलना। किसी चीज के जलने का पता चलना।

pkiMk

हमारे यहाँ एक खास तरह की चींटी पाई जाती है। यह बस्तर में चापड़ा के नाम से जानी जाती है।

irk djk fd pkiMk phVh fdu&fdu iMk ij ikbZ tkrh g

लाल–भूरे रंग की यह चींटी पेड़ों पर पत्तों को चिपका कर घरौंदा (घोंसला) बनाती हैं और उस घोंसले में एक साथ समूह में रहती हैं। समूह में रहने से जंतुओं को कई फायदे होते हैं। जैसे कि यदि तुम अपने दोस्तों के साथ समूह में कोई काम करते हो तो वह आसानी से हो जाता है।

o dku l dke g] tk leg e dju l vklku gk tkr g\ lph cukvkA

---

d l fpidkrh g phfV;k iÙkk dk\

पत्तों को चिपकाने वाली चीज़ चींटी कहाँ से लाती होगी? आओ, समझने की कोशिश करते हैं। चींटियों के समूह में एक नर चींटी तथा एक रानी चींटी और बाकी मजदूर चींटियाँ होती हैं। रानी चींटी का काम अंडे देना होता है।

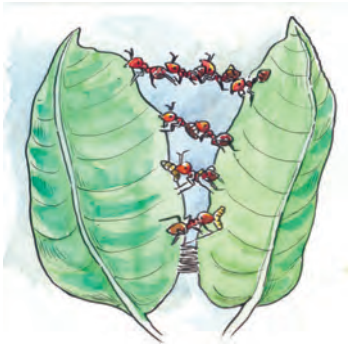

पत्तों को चिपकाने के लिए चिपचिपा पदार्थ चींटी के बच्चों में बनता है।

मज़ेदार बात यह है कि चिपचिपा पदार्थ बड़ी चींटियाँ नहीं बना सकतीं।

,l cuxk ?kjkunk

सैकड़ों मज़दूर चींटियाँ बच्चों की मदद से पत्तियों को चिपकाकर घरौंदा बनाने का काम करती हैं। लाल–भूरे रंग की मज़दूर चींटियाँ अपने मुँह में सफेद रंग के इन बच्चों को पकड़ लेती हैं। मज़दूर चींटियाँ अपने मुँह में बच्चों को पकड़कर उनको वैसे ही दबाती हैं, जैसे कि हम गोंद की शीशी या किसी ट्यूब को दबाते हैं और कोई चीज़ बाहर निकालते हैं।

यह सारा काम एक मशीन के समान होता है।

यदि किसी पेड़ पर कोई सूखा हुआ चींटियों का घरौंदा मिल जाए तो उसको देखने का प्रयास करो कि पत्तों को कैसे चिपकाया है? अंदर चींटियाँ कहाँ रहती हैं?

pkiMk l: pVuh

बस्तर के आदिवासी इलाकों में चापड़ा और इनके अंडों एवं बच्चों को पीसकर चटनी बनाई जाती है। चटनी बनाने के लिए यहाँ के लोग पेड़ों पर से चींटियों को इकट्ठा कर लेते हैं। अब इनको पत्थर पर पीसा जाता है। चटनी बनाने में मिर्च और देसी मसाले आदि भी मिलाए जाते हैं।

इस चींटी के शरीर में एक तरह की खट्टी चीज़ होती है। यही कारण है कि जब चटनी बनाई जाती है तो इसका स्वाद भी खट्टा होता है। यहाँ के आदिवासी इसको बड़े चाव से खाते हैं। बस्तर में इसकी चटनी हटरी में भी बेची जाती है।

कई इलाकों में चापड़ा को पानी में उबालकर बुखार, दमा आदि से पीड़ित मरीज को भी पिलाते हैं।

rEgkj ;gk pkiMk phVh d vkj Hkh uke gkxA irk djk vkj fy[kkA

---

rjg&rjg dh pVfu;k

1. तुमने कौन–कौन सी चटनियाँ खाई हैं? उनके नाम लिखो। साथ में यह भी लिखना कि वह किस चीज़ से बनी थी। आगे दी गई तालिका में भरो।

तालिका

क्र.	चटनी का नाम	क्या–क्या डाला जाता है?	तुम्हें कैसी लगती है?
1.	————————	————————————————	————————————
2.	————————	————————————————	————————————
3.	————————	————————————————	————————————
4.	————————	————————————————	————————————
5.	————————	————————————————	————————————

fdl ekle e dku&lh pVuh [kkr gk\ dku&lh pVuh rEg lcl vPNh yxrh g

अपने घर में पता करके किसी एक चटनी के लिए जरूरी सामग्री और सामान की सूची बनाओ। इसी चटनी को बनाने का तरीका अपनी कॉपी में लिखो।

geu D;k lh[kk

ekf[kd

1. चीटियाँ एक के पीछे एक कतार बनाकर चलती है इसका क्या कारण है ?
2. चींटियों की कितनी टाँगें होती हैं?

fyf[kr

1. चींटी का शरीर कितने भागों से बना होता है?
2. चीटियाँ कहाँ–कहाँ पाई जाती हैं?
3. चापड़ा चीटियाँ घरौंदा कैसे बनाती हैं?
4. अपने परिवेश (आस–पास) में पाये जाने वाले किसी जीव–जन्तु का सूक्ष्म अवलोकन कर उसके बारे में लिखो।

[kkstk vkl&ikl

1. चींटियों के घरौंदों को देखो। क्या अलग–अलग चींटियाँ अलग–अलग घरौंदे बनाती हैं?
2. कई लोग चींटियों के घरौंदों को सुरक्षित रखते हैं। चींटियों को आटा, शक्कर आदि खिलाते हैं। पता करो इनके पीछे क्या मान्यताएँ हैं।
3. चींटियों को अपने मुँह से मरे हुए कीड़ों को खींचते हुए तुमने देखा होगा। अनुमान लगाओ कि वे अपने वजन से कितना भारी समान ढो सकती हैं?
4. एक बात पर विचार करो। बंद डिब्बे में खाने–पीने की चीज़ें रखी होने पर भी उसमें चींटियाँ आ जाती हैं? चींटियों को मिठाई दिखाई तो नहीं पड़ती। फिर उनको कैसे पता चल जाता है कि किस डिब्बे में मिठाई रखी है?

5 चींटियाँ कई बार काट भी लेती हैं। पता करो कि चींटियों के काटने पर क्या इलाज किया जाता है?